AYJNISHD(D)

हिंदी दिवस संदेश - 2025

डॉ. सुमन कुमार, निदेशक
अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई

प्रिय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं मित्रों,

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़े के इस अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। यह दिवस केवल एक भाषा के सम्मान का प्रतीक नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर, हमारी राष्ट्रीय पहचान और हमारे आत्मगौरव का उत्सव भी है।

हिंदी हमारे राष्ट्र की आत्मा है, जिसने प्राचीन परंपराओं, लोकजीवन, स्वतंत्रता संग्राम और आधुनिक भारत की उन्नति में सदैव एक सेतु का कार्य किया है। यह भाषा भारत की विविधता में एकता की सजीव अभिव्यक्ति है, जो उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक समाज को जोड़ती है। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण और सामाजिक समरसता का आधार भी है।

संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया। तभी से यह दिवस हमें हमारे संवैधानिक दायित्व और भाषाई उत्तरदायित्व की याद दिलाता है। आज हिंदी केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रही है। डिजिटल युग में तकनीक, ई-गवर्नेंस, शिक्षा, विज्ञान और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में हिंदी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है, जो इसकी प्रासंगिकता और सामर्थ्य को और सुदृढ़ करता है।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन के क्रम में हमारे संस्थान में 14 से 25 सितंबर, 2025 के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं यह हमें हमारी मातृभाषा और राजभाषा के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताएं, चर्चाएं और कार्यक्रम हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपनी अभिव्यक्ति को हिंदी में सशक्त बनाएं और इसे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों का अभिन्न अंग बनायें। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प है—हिंदी को व्यवहार की भाषा बनाना।

प्रिय साथियो, हमें यह ध्यान रखना होगा कि हिंदी का प्रचार-प्रसार तभी सार्थक होगा, जब हम सभी इसे अपने कार्य, संवाद और व्यवहार में अधिकाधिक प्रयोग करें। यह न केवल हमारे कार्यकुशलता को बढ़ाएगा, बल्कि संगठन में आत्मीयता और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करेगा।

आइए, हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े के अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि:

- अपने कार्यालयीन कार्यकलापों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे।
- हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी सम्मान करेंगे।
- हिंदी को तकनीक, ज्ञान, विज्ञान और प्रशासन की भाषा बनाने में योगदान देंगे।
- भाषा के माध्यम से संगठन और राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाएँगे।

मुझे विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से यह हिंदी पखवाड़ा सार्थक सिद्ध होगा और हम सब मिलकर हिंदी तथा भारतीय भाषाओं की गरिमा को और ऊँचाई प्रदान करेंगे।

आप सभी को पुनः हिंदी दिवस की अनन्त एवं अशेष शुभकामनाएं।

वंदे मातरम् ।।

सादर,
एसडी/-
(निदेशक)